

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश ग्वालियर

समक्ष

एस०एस०अली

सदस्य

प्रकरण क्रमांक २९३४/दो/२०१५ निगरानी - विरुद्ध आदेश दिनांक
३१-७-१५ पारित द्वारा तहसीलदार मनगवाँ जिला रीवा - प्रकरण क्रमांक
५ अ-५/२००९-१०

१- श्रीमती कमला देवी पत्नि लक्ष्मण प्रसाद तिवारी

२- ओमप्रकाश पुत्र बेदमणि तिवारी

दोनों ग्राम डेल्ही तहसील मनगवाँ जिला रीवा
विरुद्ध

—आवेदकगण

१- हीरामणि २- मोहनलाल ३- जयप्रकाश

तीनों पुत्रगण सूरजप्रसाद तिवारी

४- गोविन्दप्रसाद पुत्र संकटप्रसाद तिवारी

चारों ग्राम डेल्ही तहसील मनगवाँ जिला रीवा

५- मध्य प्रदेश शासन

—अनावेदकगण

(आवेदक के अभिभाषक श्री अरबिन्द पाण्डेय)

(अनावेदक क-१ के अभिभाषक श्री त्रिगुण सेन तिवारी)

(अनावेदक क-४ सूचना उपरांत अनुपस्थित-एकपक्षीय)

आ दे श

(आज दिनांक २६-०७-२०१७ को पारित)

यह निगरानी तहसीलदार मनगवाँ जिला रीवा के प्रकरण क्रमांक

५ अ-५/२००९-१० में पारित आदेश दिनांक ३१-७-१५ के विरुद्ध मध्य
प्रदेश भू राजस्व संहिता, १९५९ की धारा ५० के अंतर्गत प्रस्तुत की गई
है।

2/ प्रकरण का सारोंश यह है कि तहसीलदार मनगवाँ द्वारा वाद विचारित भूमि के नक्शा तरमीम वावत् दिया गया आदेश दिनांक ९-७-२०१० कलेक्टर रीवा ने प्रकरण क्रमांक २७ अ-५/१०-११ निगरानी में पारित आदेश दिनांक १७-७-१२ से निरस्त करके प्रकरण पक्षकारों की सुनवाई हेतु एंव पुनः आदेश पारित करने के लिये प्रत्यावर्तित किया है जिसके पालन में तहसीलदार मनगवाँ पक्षकारों को सुनकर प्रकरण क्रमांक ५ अ-५/२००९-१० में आदेश दिनांक ३१-७-१५ पारित किया तथा मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता, १९५९ की धारा ६८ सहपृष्ठ ७० के अंतर्गत नक्शा तरमीम के आदेश दिये। इसी आदेश से परिवेदित होकर यह निगरानी प्रस्तुत की गई है

3/ आवेदक के अभिभाषक श्री अरबिन्द पाण्डेय एंव अनावेदक क्रमांक १,२,३ के अभिभाषक श्री त्रिगुण सेन तथा पक्षकार गोविन्द तिवारी के तर्क सुने गये हैं। अनावेदक ४ सूचना उपरांत अनुपस्थित रहने से एकपक्षीय है।

3/ निगरानी मेमो में अंकित तथ्यों के क्रम में प्रस्तुत तर्कों पर विचार करने एंव अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख के अवलोकन पर स्थिति यह है कि तहसीलदार मनगवाँ द्वारा वादविचारित भूमि के नक्शा तरमीम वावत् दिया गया आदेश दिनांक ९-७-२०१० कलेक्टर रीवा ने प्रकरण क्रमांक २७ अ-५/१०-११ निगरानी में पारित आदेश दिनांक १७-७-१२ से निरस्त करके प्रकरण पक्षकारों की सुनवाई हेतु एंव पुनः आदेश पारित करने हेतु प्रत्यावर्तित किया है जिसके पालन में तहसीलदार मनगवाँ ने हितबद्ध पक्षकारों को सुनकर प्रकरण क्रमांक

M

5 अ-५/२००९-१० में पारित आदेश दिनांक ३१-७-१५ से मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता, १९५९ की धारा ६८ सहपठित ७० के अंतर्गत आदेश पारित करके नवशा तरमीम के आदेश दिये हैं। तहसीलदार द्वारा द्वारा मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता, १९५९ की धारा ६८ सहपठित ७० के अंतर्गत पारित आदेश अपील योग्य है जिसकी अपील अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष होगी। अतः तहसीलदार के आदेश दिनांक ३१-७-१५ के विरुद्ध राजस्व मण्डल में प्रस्तुत निगरानी द्वितीय पक्षकारों के हितानुकूल न होने से अमान्य की जाती है। आवेदकगण इस आदेश की प्रति के साथ सक्षम न्यायालय में अपील प्रस्तुत करने हेतु स्वतंत्र हैं।

4/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी अमान्य होने से निरस्त की जाती है।

सदस्य
राजस्व मण्डल,
म०प्र०ग्वालियर

✓

(एस०एस०अली)